॥ श्रीहरिः ॥

सन्मार्ग ओडिशा

ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड व अंडमान निकोबार से प्रकाशित

Year 12 | Vol. 321 | Bhubaneswar | Saturday | 21 August 2021 | 12 Page | Rs. 6.00 | श्रावण शुक्ल पक्ष चतुर्दशी 14, वि. सं. 2078 | वर्ष 12 | अंक 321 | भुवनेश्वर | शनिवार | 21 अगस्त, 2021 | 12 पेज | मूल्य 6.00 रुपये

स्वरा भास्कर ने फिर से शुरू की जहां चार 11 यार की शूटिंग

आईआईटी भुवनेश्वर में शैक्षणिक परिसर का उद्घाटन

भुवनेश्वर : केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर में पुष्पगिरी लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स और ऋषिकुल्या हॉल ऑफ रेजिडेंस का उद्घाटन किया। भारत सरकार ने आईआईटी भुवनेश्वर में बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए दो चरणों में 1,260 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। इसके तहत ही संस्थान की ओर से 148 करोड़ रुपये की लागत से एक आधुनिक व्याख्यान कक्ष परिसर का निर्माण किया गया है। यह 26,354 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैला है। वर्तमान व्याख्यान कक्ष परिसर में तीन भवन हैं। भविष्य में, व्याख्यान कक्ष परिसर को और विस्तार देने के लिए इसमें तीन और तीन इमारतों को जोड़ा जा सकता है। ऋषिकुल्या हॉल ऑफ रेसिडेंस एक 800 बेड वाला छात्रावास है। संस्थान का कहना है कि छात्रावास सहित परिसर की इमारतों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बेहद अच्छे मानकों में बनाया गया है। संस्थान के निदेशक प्रो राजा कुमार ने कहा, व्याख्यान हॉल नए युग के अनुरूप डिज़ाइन किए गए हैं और इसमें ई–कक्षाओं की सुविधा हैं, जहां व्याख्यान के साथ व्याख्यान की लाइव स्ट्रीमिंग व्याख्यान रिकॉर्डिंग सुविधा के साथ की जा सकती है और पारंपरिक कक्षाओं के लिए उपयोग की जा सकती है। व्याख्यान कक्षों को सर्दियों के महीनों के दौरान एयर कंडीशनिंग के साथ–साथ प्राकृतिक वेंटिलेशन के साथ काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। व्याख्यान कक्ष लैपटॉप की चार्जिंग, वाईफाई के माध्यम से इंटरनेट का उपयोग, बोर्ड के काम के लिए दस्तावेज विजुअलाइजर, व्हाइटबोर्ड के अलावा, सीसीटीवी निगरानी आदि के लिए विद्युत कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। प्रत्येक भवन के केंद्रीय प्रांगण में छात्रों के लिए बहुत अधिक इंटरैक्टिव स्थान है। उधर, केंद्रीय मंत्री ने ट्वीट किया कि विश्व स्तरीय अनुसंधान और नवाचार पर ध्यान देने के साथ, हमारे आईआईटी वास्तव में भारत की प्रगति और उच्च शिक्षा में सफलता के प्रतीक बन गए हैं। हमारे आईआईटी दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों में से हैं और वैश्विक तकनीकी जरूरतों में योगदान दे रहे हैं। अतिरिक्त बुनियादी सुविधाएं छात्रों को अधिक उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने में सक्षम बनाएगी।